संत रामपाल जी महाराज के 76वें अवतरण दिवस

सतलोक आश्रम में आस्था का महासैलाब दूसरे दिन हुए रक्तदान और दहेजमुक्त विवाह

पीपुल्स प्रवक्ता बैतूल।

संत रामपाल महाराज के 76 वें अवतरण दिवस के उपलक्ष्य में सतलोक आश्रम उड़दन में तीन दिवसीय विशाल महा समागम का आयोजन किया जा रहा है। यह महा समागम 6 से 8 सितंबर तक चल रहा है। इस महा समागम का शुभारंभ संत गरीबदास महाराज की अमर वाणी के अखंड पाठ से हुआ। अवतरण दिवस के इस महासमागम में अलग-अलग राज्यों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु सतलोक आश्रम बैतूल पहुंच रहे हैं। दूसरे दिन के कार्यक्रमों में मानव सेवा से जुड़े आयोजन मुख्य आकर्षण का केंद्र बने।

आश्रम परिसर में आयोजित विशाल रक्तदान शिविर में श्रद्धालुओं ने मानव कल्याण के लिए स्वेच्छा से 232 यूनिट रक्तदान किया। साथ ही देहदान जागरूकता अभियान के तहत 2430 अनुयायियों ने देहदान के संकल्प पत्र भरे। वहीं समाज में फैली दहेज जैसी कुरीति को जड़ से मिटाने के लिए संत रामपाल महाराज द्वारा चलाई जा रही पहल के तहत दहेज मुक्त आदर्श विवाह का आयोजन किया गया। संत की शिक्षाओं के अनुसार बेटियों के उज्जवल भविष्य और दहेज प्रथा को खत्म करने के उद्देश्य से 17 मिनट में असुर निकंदन रमैनी के माध्यम से बिना दहेज, बिना बैंड-बाजे और बिना किसी आडंबर के 10 जोड़ों का विवाह संपन्न कराया गया।

श्रद्धालुओं के लिए भंडारे की विशेष व्यवस्था की गई है। भंडारे में श्रद्धालुओं के लिए सतलोक आश्रम में ही बनाए जा रहे शुद्ध देशी घी से निर्मित मिष्ठान पूड़ी, हलवा, सब्जी, चावल सहित अन्य मिष्ठान भोजन रूप में परोसा जा रहा है। दूसरे दिन भी हजारों की तादाद में श्रद्धालुओं ने एक साथ बैठकर भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया। साथ ही आध्यात्मिक प्रदर्शनी और निःशुल्क नाम दीक्षा के माध्यम से श्रद्धालुओं को सत ज्ञान से जोड़ा जा रहा है। कटआउट के माध्यम से मप्र में चल रही अन्नपूर्णा मुहिम के बारे में भी पता चला। प्राप्त जानकारी के अनुसार अभी तक 2187 लोगों ने संत रामपाल महाराज से निःशुल्क नाम दीक्षा प्राप्त कर अपने जीवन को सफल बनाया। महासमागम का समापन आज मंगलवार को अखंड पाठ के समापन के साथ होगा।

बंडा-शाहगढ़ के प्रभावित गांवों का दौरा कर मृतकों के परिजनों से की मुलाकात, बोले- शराब माफियाओं को नहीं बख्शेंगे, दोषियों को मिलेगी कड़ी सजा

जहरीली शराब प्रकरणः पीड़ित परिवारों के बीच पहुंचे उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल

पीपुल्स प्रवक्ता बीना।

अवैध और जहरीली शराब से हुई दुखद घटना के बाद उप मुख्यमंत्री एवं सागर जिले के प्रभारी मंत्री राजेन्द्र शुक्ल सोमवार को बंडा-शाहगढ़ क्षेत्र के प्रभावित गांवों में पहुंचे। उन्होंने घटना में मृतकों एवं प्रभावित परिवारों से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात कर उनकी स्थिति जानी और शोकाकुल परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि इस कठिन समय में राज्य सरकार पीड़ित परिवारों के साथ खड़ी है और नियमानुसार हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

एक-एक परिवार से मिले, जाना दर्दःउप मुख्यमंत्री ने बंडा एवं शाहगढ़ तहसील के ग्राम बमूरा भेड़ा, नौराज, गूगरा खुर्द, धुरमार, चौका, हनौती और पापेट पहुंचकर मृतक एवं प्रभावित परिवारों के सदस्यों से मुलाकात की। उन्होंने परिजनों को ढांढस बंधाते हुए घटना को अत्यंत हृदय विदारक बताया। उन्होंने कहा कि प्रभावित परिवार जिस पीड़ा से गुजर रहे हैं, उसकी भरपाई संभव नहीं है, लेकिन शासन उनकी हरसंभव मदद के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने अधिकारियों को प्रभावित परिवारों को नियमानुसार राहत उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए। शराब माफियाओं पर सख्त कार्रवाई के निर्देशःघटना को लेकर उप मुख्यमंत्री ने सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि अवैध शराब के कारोबार में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। शराब के अवैध कारोबार की जड़ तक पहुंचकर पूरे नेटवर्क को समाप्त करने के निर्देश पुलिस एवं प्रशासन को दिए गए हैं। परिजनों की मांग पर उन्होंने बताया कि पुलिस और प्रशासन की कार्रवाई जारी है तथा अब तक 10 से अधिक आरोपियों को हिरासत में लिया जा चुका है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि अवैध शराब के निर्माण, परिवहन और वितरण के स्रोतों की पहचान कर उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए, ताकि दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाई जा सके।

गांवों को नशामुक्त बनाने ग्रामीणों से किया आह्वानःभ्रमण के दौरान उप मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों से संवाद करते हुए गांवों को पूर्णतः नशामुक्त बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि नशे की लत केवल व्यक्ति के जीवन को प्रभावित नहीं करती, बल्कि पूरे परिवार और समाज को नुकसान पहुंचाती है।

तीन-चार माह से वेतन नहीं मिलने से परेशान आउटसोर्स कर्मचारी, कलेक्टर-सीएमएचओ से मिलकर रखेंगे समस्या

पीपुल्स प्रवक्ता तेंदूखेड़ा।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तेंदूखेड़ा में कार्यरत आउटसोर्स कर्मचारियों ने पिछले तीन-चार माह से वेतन नहीं मिलने की समस्या को लेकर नाराजगी जताई है।

कर्मचारियों ने मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारी तेंदूखेड़ा को आवेदन सौंपकर 8 सितंबर 2026 को सामूहिक अवकाश दिए जाने की मांग की है। कर्मचारियों का कहना है कि वेतन नहीं मिलने के कारण उन्हें आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। आवेदन में उल्लेख किया गया है कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तेंदूखेड़ा में एनआरसी सपोर्ट स्टाफ, एनटीएस, सुरक्षाकर्मी, सामुदायिक कर्मचारी एवं सफाईकर्मी सहित विभिन्न पदों पर आउटसोर्स कर्मचारी सेवाएं दे रहे हैं। इन कर्मचारियों का आरोप है कि उन्हें पिछले तीन-चार माह का वेतन अब तक प्राप्त नहीं हुआ है। इसके अलावा अप्रैल 2024 से बढ़े हुए वेतन का एरियर्स भी कर्मचारियों को नहीं मिला है। कर्मचारियों ने बताया कि वे अपनी समस्याओं के निराकरण के लिए 8 सितंबर को दमोह पहुंचकर कलेक्टर एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी से मुलाकात करेंगे और लंबित वेतन तथा एरियर्स के भुगतान की मांग रखेंगे। इसी उद्देश्य से उन्होंने एक दिन का सामूहिक अवकाश स्वीकृत करने का अनुरोध किया है।

आउटसोर्स कर्मचारियों ने अधिकारियों से मांग की है कि उनकी आर्थिक स्थिति एवं लंबे समय से लंबित वेतन को ध्यान में रखते हुए शीघ्र आवश्यक कार्रवाई की जाए तथा बकाया वेतन एवं एरियर्स का भुगतान कराया जाए।

आवेदन पर गिरजेश कुमार, विजय सिंह, मिथलेश पॉल, सुखदेव बैन, प्रशांत माझी, शकुन रैकवार, नेहा साहू, प्रीति वाल्मीकि, सपना लोधी, अजय लोधी, राजेश साहू गैसा सहित अन्य आउटसोर्स कर्मचारियों के नाम दर्ज हैं।

रामनगर पुलिस की फुर्ती से कुछ ही घंटों में पकड़ा गया इंदौर का ट्रक, 49 डीआई पाइप चोरी का खुलासा

डोला नगर परिषद की अमृत 2.0 योजना के लिए रखी 3.50 लाख की पाइप चोरी - ट्रक समेत 49 पाइप बरामद, चालक गिरफ्तार

बिलाल अहमद
पीपुल्स प्रवक्ता रामनगर/अनूपपुर।

नगर परिषद डोला की अमृत 2.0 जल प्रदाय योजना के लिए रखी गई 49 नग डीआई पाइप चोरी होने के मामले में रामनगर पुलिस ने महज कुछ ही घंटों में कार्रवाई करते हुए चोरी का खुलासा कर दिया। पुलिस ने इंदौर के ट्रक चालक अंसार पटेल (55) को गिरफ्तार कर उसकी निशानदेही पर चोरी गई 49 नग डीआई पाइप, कीमत करीब ?3 लाख 50 हजार 350 रुपए, बरामद कर ली।

चोरी में प्रयुक्त आइसर ट्रक भी पुलिस ने पकड़ लिया, जिसकी अनुमानित कीमत करीब ?20 लाख बताई गई है। ट्रक इंदौर का था, पुलिस की तेजी से पकड़ में आयाःमामले में सबसे अहम बात यह रही कि चोरी में इस्तेमाल वाहन इंदौर का था। यदि पुलिस तत्काल वाहन की तलाश शुरू नहीं करती तो ट्रक जिले की सीमा से बाहर निकल सकता था और उसकी तलाश में काफी परेशानी आ सकती थी। लेकिन रामनगर थाना प्रभारी सुमित कौशिक के नेतृत्व में पुलिस टीम ने तकनीकी साक्ष्यों और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर ट्रक की पहचान कर कुछ ही घंटों में उसे पकड़ लिया।

सुबह गायब मिलीं 49 पाइप, जांच में सामने आया ट्रक का सुरागःपुलिस के अनुसार, नगर परिषद डोला की अमृत 2.0 योजना के तहत बस स्टैंड के पास 49 डीआई पाइप रखी गई थीं। प्रत्येक पाइप की लंबाई करीब 5.5 मीटर और मोटाई 150 एमएम थी। 4 सितंबर की सुबह करीब 8ः30 बजे जब पाइपों को देखा गया तो मौके से सभी 49 पाइप गायब थीं। सूचना मिलते ही रामनगर पुलिस ने अपराध क्रमांक 258/26, धारा 303(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की। आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए और संदिग्ध वाहन की जानकारी जुटाई गई। पूछताछ में चालक ने खोला राजः जांच के दौरान पुलिस ने संदिग्ध ट्रक की पहचान कर अंसार पटेल पिता इशाक पटेल, उम्र 55 वर्ष, निवासी इंदौर को हिरासत में लिया। पूछताछ में चालक ने पुलिस को बताया कि एक व्यक्ति के कहने पर उसने डोला बस स्टैंड के पास से डीआई पाइप ट्रक में लोड की थीं।आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने पथरौड़ी के पास से 49 नग डीआई पाइप ट्रक सहित बरामद कर लीं।

पूछताछ में यह भी सामने आया कि पाइप लोड कराने वाले व्यक्ति ने बाद में अपना मोबाइल बंद कर लिया, जिसके कारण चालक पाइपों को आगे गंतव्य तक नहीं पहुंचा सका। मामले में पुलिस अब उस व्यक्ति की भूमिका की भी जांच कर रही है, जिसका मोबाइल नंबर आरोपी ने पुलिस को उपलब्ध कराया है। पुलिस की त्वरित कार्रवाई बनी चर्चा का विषयःइस पूरे मामले में रामनगर पुलिस की सबसे बड़ी उपलब्धि वाहन को तत्काल ट्रेस कर पकड़ना मानी जा रही है। इंदौर से आए वाहन को समय रहते पकड़ लिए जाने से चोरी का माल भी बरामद हो गया और मामले की जांच को महत्वपूर्ण दिशा मिली।यह सामान बरामदःः49 नग डीआई पाइप – अनुमानित कीमत 3,50,350, आइसर ट्रक अनुमानित कीमत करीब 20 लाख, ट्रक चालक अंसार पटेल गिरफ्तार अन्य संदिग्धों की भूमिका की जांच जारी।

इनकी रही महत्वपूर्ण भूमिकाःकार्रवाई में थाना प्रभारी सुमित कौशिक, एएसआई उमेश तिवारी, प्रधान आरक्षक क्रमांक 84 सनत कुमार द्विवेदी, आरक्षक अनुराग सिंह एवं आरक्षक अनुराग भार्गव की महत्वपूर्ण भूमिका रही।पुलिस अधीक्षक श्री विक्रांत मुराब के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री जगनाथ मरकाम तथा एसडीओपी कोतमा श्रीमती आरती शाक्य के मार्गदर्शन में हुई इस कार्रवाई ने यह साफ कर दिया कि शासकीय निर्माण सामग्री की चोरी कर उसे जिले से बाहर ले जाना आसान नहीं है।

पंचायतों में मतदान 29 सितम्बर को और परिणाम पाँच अक्टूबर को घोषित होंगे

पंचायत उपनिर्वाचन के तहत मतदान 29 सितम्बर को होगा, आदर्श आचरण संहिता लागू

पीपुल्स प्रवक्ता हरदा खिरकिया।

राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा त्रिस्तरीय पंचायतों के उप निर्वाचन वर्ष 2026 पूर्वार्ध का कार्यक्रम घोषित कर दिया गया है। मतदान 29 सितम्बर, 2026 को होगा। उप निर्वाचन के लिए निर्वाचन की सूचना का प्रकाशन और नाम निर्देशन पत्र प्राप्त करने का कार्य 8 सितम्बर 2026 से शुरू होगा। नाम निर्देशन पत्र 15 सितम्बर तक लिये जायेंगे, नाम निर्देशन पत्रों की जांच 16 सितम्बर को होगी। अभ्यर्थिता से नाम वापस लेने की अंतिम तारीख 18 सितम्बर है। इसी दिन निर्वाचन प्रतीकों का आवंटन होगा। पंचायतों में मतदान 29 सितम्बर को सुबह 7 से अपरान्ह 3 बजे तक होगा। पंच पद के लिये मतगणना मतदान के तुरंत बाद मतदान केन्द्र पर ही होगी। सरपंच, जनपद पंचायत सदस्य एवं जिला पंचायत सदस्य की विकास खण्ड मुख्यालय पर ई.व्ही.एम. से की जाने वाली मतगणना 3 अक्टूबर को सुबह 8 बजे से होगी।

जिले की कुल 60 ग्राम पंचायतों में होगा निर्वाचनःडिप्टी कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी स्थानीय निर्वाचन सुश्री श्वेता बम्होरे ने बताया कि जिले की कुल 60 ग्राम पंचायतों में उप निर्वाचन होगा। इनमें हरदा जनपद पंचायत की 7, खिरकिया की 19 तथा टिमरनी की 34 ग्राम पंचायतें शामिल है। इन सभी ग्राम पंचायतों में निर्वाचन कार्यक्रम की घोषणा के साथ ही आदर्श आचरण संहिता प्रभावशील हो गई है जो कि निर्वाचन परिणाम की घोषणा की तिथि 5 अक्टूबर 2026 तक प्रभावशील रहेगी। इस दौरान हरदा जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत खामापड़वा, नयापुरा, छिड़गांव, रिजगांव, पांचातलाई, मोहनपुर व गहाल, खिरकिया जनपद पंचायत की मोरगढ़ी, छुरीखाल, हसनपुरा, चिकलपाट, सांवरी, जामन्याखुर्द, जूनापानी मकड़ाई, मकड़ाई, पटाल्दा, जामुखो, आमाखाल, खुदिया, पीपल्या खुदिया, गोमगांव, धनकार, महेन्द्रगांव, बावड़िया नवीन, जिनवानिया व नहालीकला तथा टिमरनी जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत कपासी, गुल्लास, बोरी, कचनार, राजाबरारी, सिरकम्बा, तजपुरा, नयागांव, गाड़ामोड़कला, करताना, नौसर, पोखरनी, मनियाखेड़ी, भादूगांव, खमगांव, चंद्रखाल, गाड़ामोड़खुर्द, आलमपुर, बड़झिरी, बिच्छापुर, छिदगांवतमोली, गोंदागांवखुर्द, सोहागपुर, चारखेड़ा, टेमरूबहार, कायदा, धौलपुरकला, गोदड़ी, कुही(ग्वाड़ी), बांसपानी, बंशीपुरा, बोरपानी, पाटियाकुआ व लोधीढाना ग्राम पंचायत में उप निर्वाचन होगा।

पुलिस जांच में जुटी सुबह सात बजे तक नहीं था पुतला, आधे घंटे बाद मौके से गायब हुआ

पीपुल्स प्रवक्ता तेंदूखेड़ा।

रविवार को नगर के वार्ड क्रमांक 9 स्थित खकरिया रोड पर उस समय हड़कंप मच गया, जब राहगीरों को सड़क किनारे दूर से एक भिरा के पेड़ से युवती के शव लटका नजर आया। राहगीरों ने तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही डायल 112 मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल की। जांच में सामने आया कि पेड़ पर युवती का शव नहीं बल्कि एक पुतला लटकाया गया था। मौके पर मौजूद लोगों के अनुसार सुबह करीब 7 बजे तक पेड़ पर कोई पुतला नहीं था। लोगों ने आशंका जताई कि सुबह 7 से 10 बजे के बीच किसी अज्ञात व्यक्ति अथवा व्यक्तियों द्वारा पुतला पेड़ पर लटकाया गया होगा। घटना की सूचना पर डायल 112 के साथ पुलिस ने भी मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और वरिष्ठ अधिकारियों को मामले की जानकारी दी। स्थानीय नागरिकों के अनुसार खकरिया रोड का यह क्षेत्र पूर्व में हुई कई दुखद घटनाओं के कारण पहले से ही संवेदनशील माना जाता है। लोगों का कहना है कि पिछले करीब 15 वर्षों में मुख्य मार्ग के आसपास स्थित पेड़ों से लगभग पांच लोगों द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या किए जाने की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। इसके अलावा इस मार्ग पर कई सड़क दुर्घटनाएं भी हो चुकी हैं। इन घटनाओं के चलते लोगों में इस स्थान को लेकर पहले से ही भय और आशंका बनी हुई है।

विद्युत संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए 'संपर्क अभियान' के तहत शिविर आयोजित

खिरकिया में 58 शिकायत और आवेदनों में सभी निराकृत

पीपुल्स प्रवक्ता खिरकिया।

मध्य प्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा हरदा जिले के अंतर्गत विद्युत उपभोक्ताओं की समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए सोमवार को विभिन्न स्थलों पर 'संपर्क अभियान' के तहत विशेष शिविर आयोजित किये गये। इस दौरान हरदा शहर के वार्ड नंबर 28, ग्राम सामरधा, अबगांव खुर्द, बम्हनगांव, खिरकिया के वार्ड 12, जामन्या खुर्द, सांवरी, पिपलिया कला, छीपानेर और बोरी में शिविर आयोजित किया गया। इन शिविरों में उपभोक्ताओं की ओर से कुल 751 शिकायतें प्राप्त हुई, जिनमें से विद्युत कंपनी के अधिकारियों और तकनीकी टीम ने 629 शिकायतों का मौके पर ही निराकरण किया। शिविर में मात्र 5 रुपये के शुल्क पर 41 नए कनेक्शन उपभोक्ताओं को प्रदान किए गए। इसके अतिरिक्त, शिविर में उपस्थित लोगों को अत्याधुनिक स्मार्ट मीटर की कार्यप्रणाली और फायदों के बारे में भी विस्तार से जागरूक किया गया।खिरकिया में आयोजित शिविर में कुल 58आवेदन और शिकायतें प्राप्त हुई जिनमें सभी का निराकरण किया गया मालूम हो कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य उपभोक्ताओं को बिजली से जुड़ी तकनीकी और प्रशासनिक सेवाओं का त्वरित लाभ पहुंचाना था। शिविरों के दौरान उपभोक्ताओं से जुड़े कई मामलों का मौके पर ही प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया गया, जिनमें मुख्य रूप से नए बिजली कनेक्शन प्रदान करना, नाम और श्रेणी में परिवर्तन करना, पोल और वोल्टेज से संबंधित समस्याओं को दूर करना, बिजली बिल में सुधार, मीटर एवं सर्विस केबल संबंधी शिकायतें, डुप्लीकेट बिल जारी करना और मीटर रीडिंग से जुड़ी समस्याएं शामिल है।

एसपी विक्रांत मुराब के हंटर से थर्राया कोयला माफिया, बिजुरी में 200 टन अवैध कोयला लदे 5 भारी टेलर जब्त

आधी रात टीआई विकास सिंह की सर्जिकल स्ट्राइक- बेलियाछोट के रास्ते चल रहा था काला खेल, नाकेबंदी कर दबोचे वाहन

» रूट बदलकर और एक्सपायर्ड टीपी से चल रही थी तस्करी, खनिज अधिनियम के तहत कलेक्टर न्यायालय में पेश होगा मामला

पीपुल्स प्रवक्ता अनूपपुर।

जिले की कमान संभालते ही पुलिस अधीक्षक विक्रांत मुराब ने अवैध कारोबारियों को कड़ा संदेश दिया था।

उनके इसी स्पष्ट विजन और कुशल मार्गदर्शन को जमीन पर उतारते हुए थाना बिजुरी पुलिस ने इस बड़े ऑपरेशन को अंजाम दिया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जगनाथ मरकाम और एसडीओपी कोतमा आरती शाक्य की मॉनिटरिंग में रात्रिकालीन गश्त बढ़ाई गई थी। रात करीब 01ः30 बजे मुखबिर की पुख्ता सूचना मिलते ही टीआई विकास सिंह ने रणनीतिक घेराबंदी कर वाहनों के काफिले को रोका। जांच में साफ हुआ कि परिवहनकर्ताओं ने नियमों को ताक पर रखकर तय रूट बदला था और टीपी की समय-सीमा भी खत्म हो चुकी थी। पुलिस ने बिना कोई मोहलत दिए सभी 5 टेलरों को जब्त कर थाना परिसर लाकर खड़ा कराया और खनिज शाखा में मामला दर्ज किया। एसपी मुराब का कड़ा रुख, खनिज माफियाओं पर जीरो टॉलरेंस नीति लागू एसपी विक्रांत मुराब ने जिले में पदभार ग्रहण करने के साथ ही अवैध उत्खनन और परिवहन पर जीरो टॉलरेंस नीति तय कर दी थी। उनकी पैनी नजर सीमावर्ती रास्तों से होने वाली अवैध गतिविधियों और कोयला माफियाओं के गुप्त नेटवर्क पर लगातार बनी हुई है।

एसपी के सख्त निर्देशों के कारण ही थाना प्रभारियों को रात्रिकालीन गश्त और औचक वाहन चेकिंग के लिए पूरी छूट दी गई है। इस कार्रवाई ने साबित कर दिया है कि जिले में नियम विरुद्ध खनिज ढोने वालों पर पुलिस का डंडा पूरी सख्ती से चलने वाला है। पुलिस की इस सीधी कार्रवाई से उन तत्वों में हड़कंप है जो कागजों में हेरफेर कर शासन को करोड़ों के राजस्व का चूना लगाते थे। मुराब के एक्शन प्लान से स्पष्ट है कि जिले की सीमाओं में अब किसी भी माफिया को मनमानी करने की कोई गुंजाइश नहीं मिलेगी। टीआई विकास सिंह का कुशल नेतृत्व, रात के सन्नाटे में बिछाया सटीक चक्रव्यूह बिजुरी थाना प्रभारी निरीक्षक विकास सिंह अपनी तेजतर्रार कार्यशैली और त्वरित कार्रवाई के लिए जाने जाते हैं।

जैसे ही मुखबिर से सूचना मिली कि बेलियाछोट की ओर से कोयला लदे ट्रेलर आ रहे हैं, उन्होंने तुरंत एक्शन टीम गठित की। खेडिया क्रेशर के पास गुप्त रूप से बिछाई गई पुलिस की नाकेबंदी में एक-एक कर सभी पांचों टेलर सीधे आकर फंस गए। अचानक सामने पुलिस बल को मुस्तैद देखकर चालकों के होश उड़ गए और उन्हें संभलने का कोई मौका तक नहीं मिला। निरीक्षक विकास सिंह ने खुद मौके पर खड़े होकर सभी वाहनों के कागजात और टीपी (ट्रांजिट पास) की बारीकी से जांच की। सख्त पूछताछ और मौके पर ही दस्तावेजों का मिलान होते ही चालक अपने बचाव में कोई वैध जवाब पेश नहीं कर सके।

> अवैध खनिज परिवहन के संगठित सिंडिकेट पर अनूपपुर पुलिस अधीक्षक वि ांत मुराब का खौफ अब साफ नजर आने लगा है। जिले भर में माफियाओं की कमर तोड़ने के लिए छेड़े गए अभियान के तहत बिजुरी पुलिस ने आधी रात धमाकेदार प्रहार किया है। थाना प्रभारी निरीक्षक विकास सिंह के नेतृत्व में पुलिस बल ने खेडिया क्रेशर के पास नाकेबंदी कर कोयले की बड़ी खेप पकड़ी। डोला के निर्धारित रूट को धता बताकर बेलियाछोट के रास्ते बिजुरी साइडिंग खपाने ले जाए जा रहे 5 विशाल टेलर धर दबोचे गए। प्रत्येक वाहन में 40-40 टन यानी कुल 200 टन कोयला बिना वैध अनुमति और समयातीत टीपी पर चोरी-छिपे ढोया जा रहा था।पुलिस की इस अचूक और सख्त कार्रवाई से कोयले के काले कारोबार में लिप्त रसूखदारों के पूरे नेटवर्क में हड़कंप मच गया है।

पदमा साहू की मधुर प्रस्तुतियों ने बांधा समां, विधायक निर्मला सप्रे और नपा अध्यक्ष लता सकवार भी भक्ति में झूमे

रघुनाथ बड़ा मंदिर में गूंजे कृष्ण भक्ति के स्वर, देर रात तक भजनों पर झूमे श्रद्धालु

राजेश बबेले
पीपुल्स प्रवक्ता बीना।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर रघुनाथ बड़ा मंदिर परिसर रविवार रात कृष्ण भक्ति से सराबोर नजर आया। श्री बांके बिहारी यादव सेवा समिति के तत्वावधान में आयोजित भव्य भजन संध्या में इंदौर की संगीत टीम की भजन गायिका पदमा साहू ने भगवान श्रीकृष्ण और राधारानी को समर्पित भजनों की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। जैसे-जैसे भजनों की धुन आगे बढ़ती गई, श्रद्धालुओं का उत्साह भी बढ़ता गया। देर रात तक मंदिर परिसर तालियों, जयकारों और कृष्ण भक्ति के स्वरों से गूंजता रहा।

भजनों के साथ बढ़ता गया भक्तों का उत्साहःकार्यक्रम की शुरुआत भगवान श्रीकृष्ण के भजनों से हुई। पदमा साहू की मधुर आवाज और संगीत टीम की सुरमयी प्रस्तुतियों ने श्रद्धालुओं को भक्तिरस में डुबो दिया। बड़ी संख्या में मौजूद श्रद्धालु भजनों में ऐसे रमे कि कई लोग अपनी जगह पर खड़े होकर झूमते और तालियां बजाते नजर आए। भजन गायिका ने 'मीठे रस से भरियो री राधा रानी लागे' सहित कई लोकप्रिय कृष्ण भजनों की प्रस्तुति दी। इसके बाद 'जागो-जागो मोरे कृष्ण कन्हैया जागो' और 'कितना सुंदर लागे बिहारी' जैसे भजनों ने वातावरण को और अधिक भक्तिमय बना दिया।

तालियों और जयकारों से गूंजा मंदिर परिसरः भजनों की प्रत्येक प्रस्तुति पर श्रद्धालुओं ने तालियों के साथ उत्साह बढ़ाया। भगवान श्रीकृष्ण और राधारानी के जयकारों से पूरा मंदिर परिसर गूंज उठा। मंच से उठती भक्ति की धुन और श्रद्धालुओं की आस्था ने जन्माष्टमी की रात को यादगार बना दिया।

जनप्रतिनिधियों ने भी लिया भक्ति का आनंदःभजन संध्या में विधायक निर्मला सप्रे और नगर पालिका अध्यक्ष लता सकवार सहित अन्य जनप्रतिनिधि भी शामिल हुए। कृष्ण भजनों की धुन पर श्रद्धालुओं के साथ जनप्रतिनिधि भी भक्ति में झूमते नजर आए। कार्यक्रम से पूर्व श्री बांके बिहारी यादव सेवा समिति की ओर से जनप्रतिनिधियों का सम्मान किया गया।

देर रात तक बना रहा भक्तिमय माहौलः भजन संध्या के दौरान मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भीड़ देर रात तक बनी रही। पदमा साहू और इंदौर की संगीत टीम की प्रस्तुतियों का श्रद्धालुओं ने जमकर आनंद लिया। जन्माष्टमी के अवसर पर आयोजित इस भजन संध्या ने बीना शहरवासियों को भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति में सराबोर कर दिया।